

बूढ़े – वृद्ध – Old वृद्धावस्था या बुढ़ापा जीवन की उस अवस्था को कहते हैं जिसमें उम्र मानव जीवन की औसत काल के समीप या उससे अधिक हो जाती है। वृद्ध लोगों को रोग लगने की अधिक सम्भावना होती है। उनकी समस्याएं भी अलग होती हैं। वृद्धावस्था एक धीरे-धीरे आने वाली अवस्था है जो कि स्वभाविक व प्राकृतिक घटना है। वृद्ध का शाब्दिक अर्थ है बड़ा हुआ, पका हुआ, परिपक्व। वृद्धावस्था में प्रत्येक मनुष्य की ऊँचाई 2 से 5 प्रतिशत तक कम हो जाती है।



घर – निवास – Residence घर या निवास शरण या आराम की जगह होता है। यह आमतौर पर एक जगह है, जिसमें एक व्यक्ति या एक परिवार के आराम और निजी संपत्ति का भंडारण कर सकते हैं। व्यक्ति अपने परिवार के साथ घर में रहता है। आधुनिकतम घरों में स्वच्छता सुविधाओं के संग ही खाना बनाने की व्यवस्था भी होती है। पशु व जानवर भी अपने अपने घरों में निवास करते हैं, चाहे जंगली हों या पालतू पशु। एक भौतिक स्थान के रूप में 'घर' की परिभाषा वह मकान होती है, जहां शरण या आराम की मानसिक या भावनात्मक तृप्ति प्राप्त हो।



रात – अंधेरा - Dark रात्रि अथवा रात का समय अथवा रात सूर्यास्त और सूर्योदय के मध्य का समय होता है जब सूर्य क्षितिज से नीचे की ओर होता है। इसका अन्य शब्दों में अर्थ उस समयकाल से होता है जब दिन नहीं होता।



आँखों – नेत्र – Eye आँख या नेत्र (संस्कृत: अक्षि , नयनम् ) (अंग्रेजी: म्लम) जीवधारियों का वह अंग है जो प्रकाश के प्रति संवेदनशील है। यह प्रकाश को संसूचित करके उसे तंत्रिका (तन्त्रिका) कोशिकाओं द्वारा विद्युत-रासायनिक संवेदों में बदल देता है। उच्चस्तरीय जंतुओं (जन्तुओं) की आँखें एक जटिल प्रकाशीय तंत्र (तन्त्र) की तरह होती हैं जो आसपास के वातावरण से प्रकाश एकत्र करता है मध्यपट के द्वारा आँख में प्रवेश करने वाले प्रकाश की तीव्रता का नियंत्रण (नियन्त्रण) करता है इस प्रकाश को लेंसों की सहायता से सही स्थान पर केंद्रित (केन्द्रित) करता है (जिससे प्रतिबिंब (प्रतिबिम्ब) बनता है) यह इस प्रतिबिंब (प्रतिबिम्ब) को विद्युत संकेतों में बदलता है इन संकेतों को तंत्रिका (तन्त्रिका) कोशिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क के पास भेजता है। आँखों का रंग और वर्णन आँखें काली, खनीली,,, भूरी, हरी और लाल रंग की हो सकती है। नेत्र यह तेजस्वी होते हैं। उन्हें कफ इन दोष से डर रहता है। इस कारण आँखों में सात दिन में कम-से-कम एक बार अंजन करना चाहिए।



सुबह – सवेरा – Morning प्रातः काल सूरज की पहली किरणें धरती को स्पर्श करती हुई अत्यंत मनोहर और शीतल लगती हैं। प्रकृति का वह अनोखा दृश्य मन को लुभाता है। भोर होते ही कलियाँ खिलने लगती हैं और चिड़ियाँ मधुर स्वर में गाने लगती हैं। सुबह के समय ठंडी और सुहानी हवा चलती है जो लोगों के मन में उत्साह और उमंग भर देती है।



सरदी – शीत – Cold कॉमन कोल्ड यानी सर्दी जुखाम और इन्फ्लूएंजा जिसे आमतौर पर फ्लू भी कहते हैं, सामान्य वायरल इंफेक्शन है जो हमारी नाक और गले को प्रभावित करता है। यह बीमारी इतनी सामान्य है कि हर साल भारत में करीब 1 करोड़ लोग सामान्य सर्दी-जुखाम और फ्लू का शिकार होते हैं। इसकी वजह यह है कि इस बीमारी के वायरस बड़ी आसानी से फैलते हैं।



nbox

learn easy